**आज, वाराणसी**

**दिनांक: 20.05.2021**

# बरेका चिकित्सालय में पोस्ट कोविड साइकेट्रिक ओपीडी का शुभारंभ

पिछले कुछ दिनों पहले कोविड के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखी गयी। वर्तमान समय में कोविड के केसेज में कुछ कमी जरूर आई है, परंतु कोविड से ठीक हुए मरीजों में या ऐसे व्यक्तियों में जिन्होंने इस आपदा में अपने स्वजनों को खो दिए हैं, ऐसे लोगों की संख्या में इजाफा देखा गया है। इस प्रकार का मानसिक कष्ट कोविड जैसी बीमारियों से किसी भी प्रकार से कम नहीं है। यह बीमारी पोस्ट ट्रामेटिक डिसऑर्डर के नाम से जाना जाता हैए इस प्रकार की मानसिक बीमारी का बेहतर

इलाज हो, इसके लिए बरेका केंद्रीय चिकित्सालय में महाप्रबंधक अंजली गोयल के दिशा-निदेर्शन से प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डाक्टर सुजीत मल्लीक ने चिकित्सालय में पोस्ट कोविड साइकेट्रिक क्लीनिक की शुरुआत की है। जिसमें कोविड-१९ से ठीक हो चुके मरीजों में इस प्रकार की परेशानियों के लिए साइकेट्रिक परामर्श दिया जा रहा है। यह ओपीडी केंद्रीय चिकित्सालय, बरेका में हर मंगलवार को अपराह्न दो बजे से शाम चार बजे के बीच चलेगी। पहले दिन ओपीडी में कुल छह मरीजों को चिकित्सीय परामर्श दिया गया। बरेका के सभी रेल लाभार्थी इसका भरपूर फायदा उठा सकते हैं।

**स्टेट मिडिया, वाराणसी**

**दिनांक: 20.05.2021**

# बरेका चिकित्सालय में पोस्ट कोविड साइकेट्रिक ओपीडी का शुभारंभ

वाराणसी **(स्टेट मीडिया)** पिछले कुछ दिनों पहले कोविड के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी देखी गई। वर्तमान समय में कोविड के केसेज में कुछ कमी जरूर आई है,परंतु कोविड से ठीक हुए मरीजों में या ऐसे व्यक्तियों में जिन्होंने इस आपदा में अपने स्वजनों को खो दिया हैं, ऐसे लोगों की संख्या में इजाफा देखा गया है। इस प्रकार का मानसिक कष्ट कोविड जैसी बीमारियों से किसी भी प्रकार से कम नहीं है। यह बीमारी पोस्ट ट्रामेटिक डिसऑर्डर के नाम से जाना जाता है, इस प्रकार की मानसिक बीमारी का बेहतर इलाज हो, इसके लिए बरेका केंद्रीय चिकित्सालय में महाप्रबंधक अंजली गोयल के दिशा-निदेर्शन एवं प्रेरणा से प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुजीत मल्लीक ने चिकित्सालय में पोस्ट कोविड साइकेट्रिक क्लीनिक की शुरूआत की है। जिसमें कोविड-19 से ठीक हो चुके मरीजों में इस प्रकार की परेशानियों के लिए साइकेट्रिक परामर्श दिया जा रहा है। यह ओपीडी केंद्रीय चिकित्सालय, बरेका में हर मंगलवार को दोपहर 02:00 बजे से शाम 04:00 बजे के बीच चलेगी। पहले दिन ओपीडी में कुल 6 मरीजों को चिकित्सीय परामर्श दिया गया। बरेका के सभी रेल लाभार्थी इसका भरपूर फायदा उठा सकते हैं।

**दैनिक जागरण, वाराणसी**

**दिनांक: 20.05.2021**

## बरेका में पोस्ट कोविड साइकेट्रिक ओपीडी शुरू

जागरण संवाददाता, वाराणसी : आपदा में अपनों को खोने वाले लोगों का मानसिक कष्ट कोविड से किसी भी प्रकार से कम नहीं है। यह पोस्ट ट्रामेटिक डिसऑर्डर के नाम से जाना जाता है। इस मानसिक बीमारी का बेहतर इलाज हो, इसके लिए बरेका केंद्रीय चिकित्सालय में प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सुजीत मलिक ने पोस्ट कोविड साइकेट्रिक क्लीनिक की शुरुआत की है। यह ओपीडी हर मंगलवार को दोपहर दो से शाम चार बजे के बीच चलेगी। पहले दिन ओपीडी में कुल छह मरीजों को चिकित्सीय परामर्श दिया गया।

**अमर उजाला, वाराणसी**

**दिनांक: 20.05.2021**

## बरेका चिकित्सालय में पोस्ट कोविड साइकेट्रिक ओपीडी शुरू

वाराणसी। बरेका केंद्रीय चिकित्सालय में प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुजीत मल्लीक की पहल पर पोस्ट कोविड साइकेट्रिक क्लीनिक की शुरुआत की गई है। कोविड-19 से ठीक हो चुके मरीजों को परामर्श दिया जा रहा है। केंद्रीय चिकित्सालय में हर मंगलवार को दोपहर 2 से शाम 4 बजे के बीच ओपीडी चलेगी। महाप्रबंधक अंजली गोयल के दिशा निर्देशन में खुले क्लीनिक में बरेका के सभी कर्मी लाभ ले सकते हैं। डॉ. सुजीत मल्लीक ने बताया कि कोविड से ठीक हुए और स्वजनों को खोने वाले लोगों की संख्या में इजाफा हुआ है। इस प्रकार का मानसिक कष्ट कोविड जैसी बीमारियों से किसी भी प्रकार से कम नहीं है। यह बीमारी पोस्ट ट्रामेटिक डिसऑर्डर के नाम से जानी जाती है। मानसिक बीमारी का बेहतर इलाज हो, इसलिए यह क्लीनिक शुरू की गई है। ब्यूरो

**जन सन्देश टाइम्स, वाराणसी**

**दिनांक: 20.05.2021**

## बरेका चिकित्सालय में पोस्ट कोविड साइकेट्रिक ओपीडी

वाराणसी। पिछले कुछ दिनों पहले कोविड के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी देखी गई। वर्तमान समय में कोविड के केसेज में कुछ कमी जरूर आई है,परंतु कोविड से ठीक हुए मरीजों में या ऐसे व्यक्तियों में जिन्होंने इस आपदा में अपने स्वजनों को खो दिया हैं, ऐसे लोगों की संख्या में इजाफा देखा गया है। इस प्रकार का मानसिक कष्ट कोविड जैसी बीमारियों से किसी भी प्रकार से कम नहीं है। यह बीमारी पोस्ट ट्रामेटिक डिसऑर्डर के नाम से जाना जाता है, इस प्रकार की मानसिक बीमारी का बेहतर इलाज हो, इसके लिए बरेका केंद्रीय चिकित्सालय में महाप्रबंधक अंजली गोयल के दिशा-निदेर्शन एवं प्रेरणा से प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुजीत मल्लीक ने चिकित्सालय में पोस्ट कोविड साइकेट्रिक क्लीनिक की शुरूआत की है। जिसमें कोविड-19 से ठीक हो चुके मरीजों में इस प्रकार की परेशानियों के लिए साइकेट्रिक परामर्श दिया जा रहा है। यह ओपीडी केंद्रीय चिकित्सालय, बरेका में हर मंगलवार को दोपहर 02:00 बजे से शाम 04:00 बजे के बीच चलेगी। पहले दिन ओपीडी में कुल 6 मरीजों को चिकित्सीय परामर्श दिया गया।

**जनवार्ता, वाराणसी**

**दिनांक: 20.05.2021**

## बरेका में पोस्ट कोविड साइकेट्रिक ओपीडी शुरू

**वाराणसी(जनवार्ता)**। कोरोना संक्रमण से प्रभावित होने के पश्चात ठीक हुए मरीजों या ऐसे व्यक्तियों को जिन्होंने इस आपदा में अपने स्वजनों को खो दिया हैं इन लोगों में मानसिक तनाव और उलझनों का काफी प्रभाव देखा जा रहा है। यह बीमारी पोस्ट ट्रामेटिक डिसऑर्डर के नाम से जाना जाता है। इस प्रकार की मानसिक बीमारी का बेहतर इलाज हो इसके लिए बरेका केंद्रीय चिकित्सालय में महाप्रबंधक अंजली गोयल के दिशा-निर्देशन एवं प्रेरणा से प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुजीत मल्लीक ने चिकित्सालय में पोस्ट कोविड साइकेट्रिक क्लीनिक की शुरूआत की है। यह ओपीडी केंद्रीय चिकित्सालय, बरेका में हर मंगलवार को दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे के बीच चलेगी। पहले दिन ओपीडी में कुल छ मरीजों को चिकित्सीय परामर्श दिया गया।

**आज, कानपुर**

**दिनांक: 20.05.2021**

## बरेका चिकित्सालय में पोस्ट कोविड साइकेट्रिक ओपीडी का शुभारंभ

आज का कानपुर ब्युरो चीफ़ राजेंद्र प्रसाद जायसवाल

बाराणसी।पिछले कुछ दिनों पहले कोविड के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी देखी गई। वर्तमान समय में कोविड के केसेज में कुछ कमी जरूर आई है,परंतु कोविड से ठीक हुए मरीजों में या ऐसे व्यक्तियों में जिन्होंने इस आपदा में अपने स्वजनों को खो दिया हैं, ऐसे लोगों की संख्या में इजाफा देखा गया है। इस प्रकार का मानसिक कष्ट कोविड जैसी बीमारियों से किसी भी प्रकार से कम नहीं है। यह बीमारी पोस्ट ट्रामेटिक डिसऑर्डर के नाम से जाना जाता है, इस प्रकार की मानसिक बीमारी का बेहतर इलाज हो, इसके लिए बरेका केंद्रीय चिकित्सालय में महाप्रबंधक अंजली गोयल के दिशा-निदेर्शन एवं प्रेरणा से प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुजीत मल्लीक ने चिकित्सालय में पोस्ट कोविड साइकेट्रिक क्लीनिक की शुरूआत की है। जिसमें कोविड-19 से ठीक हो चुके मरीजों में इस प्रकार की परेशानियों के लिए साइकेट्रिक परामर्श दिया जा रहा है। यह ओपीडी केंद्रीय चिकित्सालय, बरेका में हर मंगलवार को दोपहर 02:00 बजे से शाम 04:00 बजे के बीच चलेगी। पहले दिन ओपीडी में कुल 6 मरीजों को चिकित्सीय परामर्श दिया गया। बरेका के सभी रेल लाभार्थी इसका भरपूर फायदा उठा सकते हैं।

**न्यायाधीश, वाराणसी**

**दिनांक: 20.05.2021**

# बरेका चिकित्सालय में पोस्ट कोविड साइकेट्रिक ओपीडी का शुभारंभ

वाराणसी। पिछले कुछ दिनों पहले कोविड के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी देखी गई।

वर्तमान समय में कोविड के केसेज में कुछ कमी जरूर आई है,परंतु कोविड से ठीक हुए मरीजों में या ऐसे व्यक्तियों में जिन्होंने इस आपदा में अपने स्वजनों को खो दिया हैं, ऐसे लोगों की संख्या में इजाफा देखा गया है। इस प्रकार का मानसिक कष्ट कोविड जैसी बीमारियों से किसी भी प्रकार से कम नहीं है।

यह बीमारी पोस्ट ट्रामेटिक डिसऑर्डर के नाम से जाना जाता है, इस प्रकार की मानसिक बीमारी का बेहतर इलाज हो, इसके लिए बरेका केंद्रीय चिकित्सालय में महाप्रबंधक अंजली गोयल के दिशा-निदेर्शन एवं प्रेरणा से प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुजीत मल्लीक ने चिकित्सालय में पोस्ट कोविड साइकेट्रिक क्लीनिक की शुरुआत की है। जिसमें कोविड-19 से ठीक हो चुके मरीजों में इस प्रकार की परेशानियों के लिए साइकेट्रिक परामर्श दिया जा रहा है। यह ओपीडी केंद्रीय चिकित्सालय, बरेका में हर मंगलवार को दोपहर 02:00 बजे से शाम 04:00 बजे के बीच चलेगी। पहले दिन ओपीडी में कुल 6 मरीजों को चिकित्सीय परामर्श दिया गया। बरेका के सभी रेल लाभार्थी इसका भरपूर फायदा उठा सकते हैं।

**न्यायाधीश, प्रयागराज**

**दिनांक: 20.05.2021**


# बरेका चिकित्सालय में पोस्ट कोविड साइकेट्रिक ओपीडी का शुभारंभ

वाराणसी। पिछले कुछ दिनों पहले कोविड के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी देखी गई।

वर्तमान समय में कोविड के केसेज में कुछ कमी जरूर आई है,परंतु कोविड से ठीक हुए मरीजों में या ऐसे व्यक्तियों में जिन्होंने इस आपदा में अपने स्वजनों को खो दिया हैं, ऐसे लोगों की संख्या में इजाफा देखा गया है। इस प्रकार का मानसिक कष्ट कोविड जैसी बीमारियों से किसी भी प्रकार से कम नहीं है।

यह बीमारी पोस्ट ट्रामेटिक डिसऑर्डर के नाम से जाना जाता है, इस प्रकार की मानसिक बीमारी का बेहतर इलाज हो, इसके लिए बरेका केंद्रीय चिकित्सालय में महाप्रबंधक अंजली गोयल के दिशा-निदेर्शन एवं प्रेरणा से प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुजीत मल्लीक ने चिकित्सालय में पोस्ट कोविड साइकेट्रिक क्लीनिक की शुरुआत की है। जिसमें कोविड-19 से ठीक हो चुके मरीजों में इस प्रकार की परेशानियों के लिए साइकेट्रिक परामर्श दिया जा रहा है। यह ओपीडी केंद्रीय चिकित्सालय, बरेका में हर मंगलवार को दोपहर 02:00 बजे से शाम 04:00 बजे के बीच चलेगी। पहले दिन ओपीडी में कुल 6 मरीजों को चिकित्सीय परामर्श दिया गया। बरेका के सभी रेल लाभार्थी इसका भरपूर फायदा उठा सकते हैं।

**परफेक्ट मिशन, वाराणसी**

**दिनांक: 20.05.2021**

# बरेका चिकित्सालय मे पोस्ट कोविड साइकेट्रिक ओपीडी का हुआ शुभारंभ

**वाराणसी**। पिछले कुछ दिनों पहले कोविड मरीजो की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखी गई। वर्तमान समय में कोविड के केसेज में काफी कमी आई है, परंतु कोविड से ठीक हुए मरीजों में या ऐसे व्यक्तियों में जिन्होंने इस आपदा में अपने स्वजनों को खो दिया है ऐसे लोगों की संख्या में इजाफा देखा गया है। इस प्रकार का मानसिक कष्ट कोविड जैसी बिमारियों से किसी भी प्रकार से कम नहीं है। यह बिमारी पोस्ट ट्रामेट्रिक डिसऑर्डर के नाम से जाना जाता है। इस प्रकार की मानसिक बीमारी का बेहतर इलाज हो, इसके लिए बरेका केंद्रीय चिकित्सालय मे बनारस रेल इंजन कारखाना की महाप्रबंधक अंजलि गोयल के निर्देशन में एवं प्रेरणा से प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुजीत मल्लिक ने चिकित्सालय में पोस्ट कोविड साइकेट्रिक क्लीनिक की शुभारंभ की है, जिसमें कोविड से ठीक हो चुके मरीजों में इस प्रकार की परेशानियों के लिए साइकेट्रिक परामर्श दिया जा रहा है।

**आवाज-ए-मुल्क, वाराणसी**

**दिनांक: 20.05.2021**

میں کووڈ 19 ٹھیک ہو چکے مریضوں میں اس طرح کی پریشانیوں کے لئے سائیکٹریک رائے دیا جارہا ہے یہ او پی ڈی مرکزی اسپتال بریکا میں ہر منگل کو دوپہر دو بجے سے شام چار بجے کے بیچ چلے گی پہلے دن او پی ڈی میں کل 6 مریضوں کو ڈاکٹری جانچ کیا گیا ہے بریکا میں بھی ریل مستفدین اس کا بھرپور فائدہ اٹھا سکتے ہیں۔

--بنارس: ضلع کے مختلف قصبوں اور بازاروں میں پیتھالوجی سینٹروں کی بھرمار ہوگئی ہے۔ بیشتر غیر قانونی طریقے سے غیر تربیت یافتہ ڈاکٹروں کے ذریعہ خون، پیشاب وغیرہ کا معائنہ بے خوف وخطر کیا جارہا ہے۔

**काशीदीप, वाराणसी**

**दिनांक: 17 मई से 23 मई 2021**

# बेहतर प्रबंधन व चिकित्सीय उपचार से मौत के मुंह से बाहर निकल रहे कोविड मरीज

## कैंप लगाकर नियमित रूप से टेस्टिंग कर संक्रमितों की पहचान की जा रही

**वाराणसी।** बनारस रेल इंजन कारखाना महाप्रबंधक अंजली गोयल द्वारा चिकित्सीय व्यवस्था, कोविड मरीजों की स्थिति, टेस्टिंग, टीकाकरण एवं जन जागरूकता अभियान की लगातार समीक्षा एवं निर्देशन में प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुजीत मल्लीक व उनकी टीम द्वारा अच्छे नेतृत्व प्रबंधन से ट्रैकिंग, टेस्टिंग एवं ट्रीटमेंट के उच्च स्तर को बनाए रखते हुए संक्रमण रोकने की दिशा में बेहतरीन कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। 100% संक्रमण जांच का लक्ष्य रखते हुए लगातार एंटीजन व आरटीपीसीआर टेस्टिंग की जा रही है, जिसके अंतर्गत कार्यस्थल के अतिरिक्त रेलवे कॉलोनियों एवं बरेका परिसर में कैंप लगाकर नियमित रूप से दुकानदारों, सब्जी बिक्रेताओं का भी टेस्टिंग कर संक्रमितों की पहचान की जा रही है। आइसोलेशन, चिकित्सीय परामर्श सहित कर्मचारी परिषद के सदस्यों व रेल कर्मचारियों के माध्यम से मुफ्त दवा वितरण किया जा रहा है। बरेका केंद्रीय चिकित्सालय में कोविड मरीजों की अच्छी प्रकार से चिकित्सीय उपचार के फलस्वररूप कई गंभीर मरीज स्वस्थ्य होकर अपने घरों को वापस जा चुके हैं, बरेका केंद्रीय चिकित्सालय में जिला प्रशासन ने 40 बेड कोरोना मरीजों के लिए अधिकृत कर रखा है, जिसमें परिजनों सहित रेल कर्मचारियों, सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों के अतिरिक्त शहर के अन्य संक्रमित कोविड मरीजों को भर्ती कर उपचार किया जा रहा है।

मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.के. मौर्या एवं डॉ. मिनहाज अहमद कोरोना संक्रमित मरीजों को नियमित रूप से आवश्यकता अनुसार कोविड वार्ड में जाकर देखते हैं एवं अच्छे प्रकार से उपचार कर रहे हैं। विदित हो कि डॉ. एस.के. मौर्या एवं डॉ. मिनहाज अहमद कोविड मरीजों के उपचार के दौरान संक्रमित हो गए थे, जैसे ही उनकी रिपोर्ट निगेटिव आयी बिना एक क्षण गवाए कोविड के मरीजों की सेवा में पुन: लग गए, जिससे कई मरीजों को नया जीवन मिल सका।

बरेका चिकित्सक डॉ. देवेश कुमार, डॉ. एस.के. शर्मा कोरोना संक्रमित होने के बावजूद होम आइसोलेशन में रहते हुए लगातार मरीजों के स्वास्थ्य संबन्धित जानकारी दूरभाष के माध्यम से लेते रहते हैं और आवश्यक परामर्श भी देते रहते हैं। अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुनील कुमार एवं डॉ. पी.आर. ठाकुर प्रशासनिक कार्य के साथ-साथ आउट-डोर के मरीजों को देखते हैं, जिससे अन्य बीमारी से ग्रसित मरीजों का उपचार संभव हो पा रहा है।